Smart Mind Edutech

D M I T

Dermatoglyphics Multiple Intelligence Test

Location

HEAD OFFICE -

P-9 , 2nd floor, pandav nagar, mayur vihar phase 1 , delhi ,110091

Email -smartmindedutech@gmail.com

Website- smartmindedutech.com

Helpline - 9839547108, 9452607362

क्या है DMIT... ?

मानव अनुवांशिक विरासत के सिद्धांत के साथ सबसे प्रचलित मानव आंतरिक क्षमता की पहचान करने वाली क्रांतिकारी प्रणाली (DMIT) से जुड़ने के लिए आपका स्वागत है

प्रणाली 11 प्रमुख व्यक्तित्व प्रकार, 05 सीखने की शैलियां,9 बुद्धिमत्ता, 10 मस्तिष्क की आंतरिक क्षमता और सीखने की संवेदनशीलता सूचकांक का परिचय देती है ।हजारों संभावित संयोजनों के साथ यह शिक्षा व्यक्तिगत और कैरियर की सफलता में अनुवादित होने का सबसे अच्छा तरीका बताता है ।किसी व्यक्ति की पसंदीदा सीखने की शैलियों और सीखने के मॉडल का विश्लेषण और समझने के लिए यह पूरी तरह का वैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

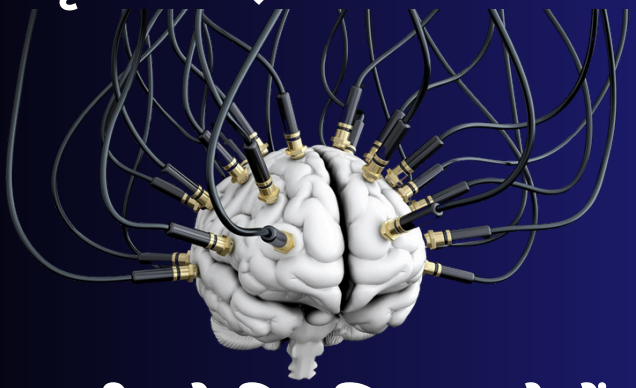

इस प्रणाली को विकसित करने में डर्मेटोग्लिफिक्स विशेषज्ञों ने तुलनात्मक अध्ययन के लिए एक डेटाबेस तैयार करने को लेकर 1985 से चीन, जापान, कोरिया, ताइवान, हांगकांग, सिंगापुर और मलेशिया में 5 लाख से भी अधिक व्यक्तियों के साथ मनोवैज्ञानिक व शारीरिक रिसर्च किया। आज डीएमआईटी अपनी क्षमताओं को पहचानने और उसके अनुरूप ढालने के लिए बेहतरीन तरीका साबित हो रहा है।।

डर्मेटोगिलफिक्स मल्टीप्ल इंटेलिजेंस टेस्ट (dmit) त्वचा व उंगलियों के निशान,त्वचीय रिज संरचनाओं के अध्ययन के आधार पर विकसित एक वैज्ञानिक विधि है। यह अनुसंधान में निहित है कि हमारी त्वचा पर पैटर्न जन्मजात क्षमता और अद्वितीय विशेषताओं से संबंधित हैं और किसी व्यक्ति की जन्मजात प्रतिभा,सीखने की शैली और ताकत के संभावित क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं।

डर्मेटोग्लिफिक्स कई वैज्ञानिकों पर आधारित है । "जेनेटिक्स","भ्रूण विज्ञान", "डर्मेटोगिलिफिक्स", "मस्तिष्क विज्ञान" और अन्य विज्ञान आधारित चिकित्सा वैज्ञानिकों ने अवलोकन, रिकॉर्डिंग, कन्टास्ट, आगनात्मक सीखने के तरीकों का उपयोग किया,और फिर नैदानिक अनुभव के साथ मिलकर अंत में यह निष्कर्ष निकाला कि इससे हम बच्चों की बहु बुद्धिमत्ताओं और संभावित व्यक्तित्व का सटीक विश्लेषण कर सकते हैं

प्रत्येक बच्चे में अद्वितीय गुण व क्षमता होती है, यदि वैज्ञानिक तरीकों से हम बच्चे की जन्मजात विशेषताओं और योग्यताओं को समझ सके तो हम उन्हें बेहतर ढंग से पढ़ा सकते हैं। यदि कोई स्वाभाविक रूप से पहले से ही मजबूत है तो अधिक स्पष्टता के साथ और अधिक मजबूत हो जाता है लेकिन यदि कोई स्वाभाविक रूप से पहले से ही कमजोर है और उसके बाद के जीवन चरणों में विकसित नहीं हुआ है तो वह उस क्षमता को खो सकता है ।ऐसे में बहुमूल्य क्षमता में गिरावट से बचने के लिए जल्द से जल्द सटीक और जिम्मेदारी वाला कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण है।

डीएमआईटी परीक्षण आनुवंशिक रूप से परिभाषित फिंगरप्रिंट पैटर्न को एकत्रित व विश्लेषण करने का काम करता है। माना जाता है कि यह पैटर्न आनुवंशिक रूप से जुड़े हुए हैं और किसी भी व्यक्ति की जन्मजात दक्षता को दर्शाते हैं । विश्लेषण में विभिन्न बुद्धिमत्ताओं की पहचान करना शामिल है ,जैसे तार्किक-गणितीय भाषाई,स्थानिक, पारस्परिक,अंतर्वैयतित्तक, संगीतमय, गतिज और प्रकृतिवादी । इसके बाद प्राप्त परिणामों का उपयोग किसी व्यक्ति की ताकत और कमजोरी की जानकारी को प्रदान करने, कैरियर विकल्पों को और शैक्षिक पथों का मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए किया जाता है।

मल्टीप्ल इंटेलिजेंस टेस्ट एक मूल्यांकन उपकरण है, जिसे बुद्धिमत्ता के विभिन्न क्षेत्रों में किसी व्यक्ति की ताकत और क्षमताओं को मापने के लिए डिजाइन किया गया है । इस अवधारणा को मनोवैज्ञानिक हावर्ड गार्डनर द्वारा विकसित किया गया था। जिन्होंने प्रस्तावित किया था कि बुद्धिमत्ता एक कारण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कई अलग-अलग प्रकार की बुद्धिमत्ता शामिल हैं।

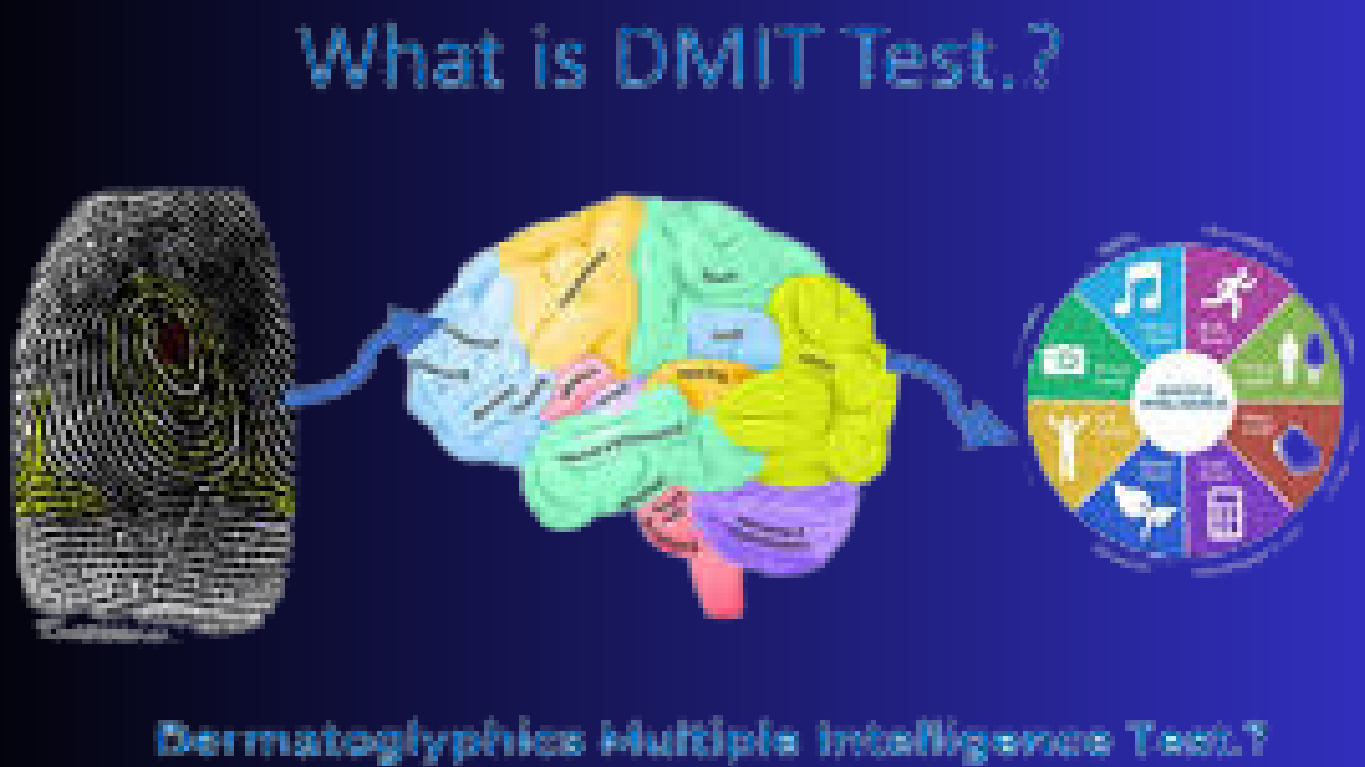

इन बुद्धिमत्ताओं में तार्किक-गणितीय, भाषाई,स्थानिक, शारीरिक-गतिज, संगीतमय ,पारस्परिक ,अंतर्वैयतित्तक और प्राकृतिक बुद्धिमत्ता शामिल है। मल्टीप्ल इंटेलिजेंस टेस्ट में आमतौर पर प्रश्नों या कार्यों की एक श्रृंखला शामिल होती है ,जिसका उद्देश्य इन विभिन्न क्षेत्रों में किसी व्यक्ति की दक्षता और प्राथमिकताओं का मूल्यांकन करना होता है ।यह मूल्यांकन किसी व्यक्ति की अद्वितीय शक्तियों और सीखने की शैलियों में मूल्यवान अंतरदृष्टि प्रदान कर सकता है ।जिससे उन्हें खुद को बेहतर ढंग से समझने और उसके अनुसार अपने शैक्षिक व करियर पथ को तैयार करने में मदद मिलती है ।

डर्मेटोगिलफिक्स मल्टीप्ल इंटेलिजेंस टेस्ट एक वैज्ञानिक पद्धति है जो हमारी उंगलियों पर पैटर्न की जांच करती है ।मानव मस्तिष्क में पांच लोब होते हैं ।1- प्री फ्रंटल,2- फ्रंटल, 3-पैरिएटल,4- टेंपोरल और 5- आईसीसीपिटल । यह लोब बाएं और दाएं मस्तिष्क खंडों में विभाजित हैं । उनका विकास गर्भधारण के 13 और 19 में सप्ताह के बीच होता है, इसी समय गर्भ में उंगलियों के निशान भी बनते हैं ।मस्तिष्क के 10 खण्डों (लोबस) में से प्रत्येक 10 उंगलियों में से एक से जुड़ा होता है, जो विशिष्ट उंगलियों को विशेष मस्तिष्क लोबस से जोड़ता है।

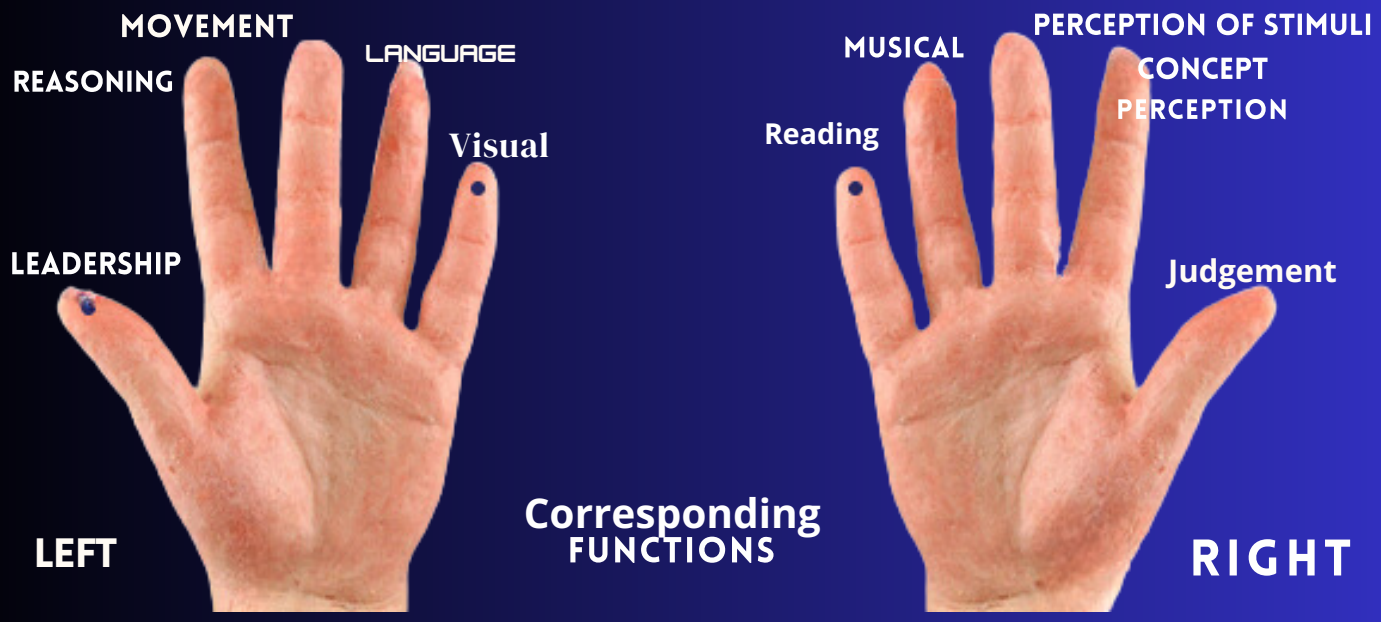

डीएमआईटी विश्लेषण के माध्यम से हम किसी व्यक्ति की अंतर निहित क्षमताओं के बारे में जान सकते हैं ,इस प्रकार चिकित्सा विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने उंगलियों के निशान के वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित एक बायोमेट्रिक विश्लेषण तैयार किया है ।डीएमआईटी सभी आयु वर्ग के समूह के लिए उपयोगी है। यह माता-पिता व शिक्षकों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है ताकि वह बच्चों की जन्मजात शक्तियों के साथ-साथ उन क्षेत्रों को भी समझ सके जिन पर बच्चों को ढालना की आवश्यकता है ।

मस्तिक और उंगलियों के संबंध -

दायां मस्तिक्स बाएं हाँथ के अनुरूप और बायां मस्तिक्स दाएं हाँथ के अनुरूप होता है।डर्मेटोगिलफिक्स ऐसा सिस्टम है जो न्यूरोबायोलॉजी, अनुवांशिकी और भ्रूण विज्ञान को जोड़ता है। फिंगरप्रिंट पैटर्न यादृच्छिक नहीं है, उन्हें व्यक्तिगत अनुवांशिक संरचना के अनुसार व्यवस्थित किया जाता है। डीएमआईटी परीक्षण वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है। इसके अलावा डेटा अधिग्रहण प्रक्रिया कंप्यूटरीकृत है, इसलिए हम 90% से अधिक की सटीकता प्राप्त करते हैं । स्ट्राइक का गठन और मस्तिष्क का गठन सिंक्रनाइज होता है ।

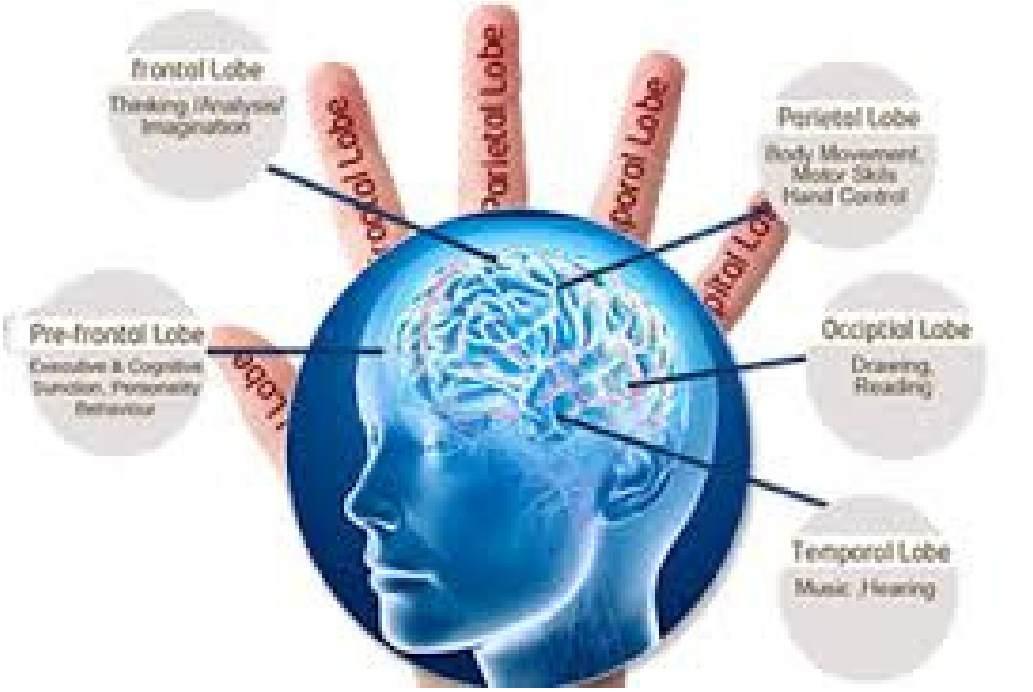

पहले 13 सप्ताह से 19 सप्ताह में मां के शरीर में सभी भ्रूण चिकित्सीय दृष्टि से सिद्ध, स्ट्राइ, और एकाधिक बुद्धिमता का अस्तित्व आवश्यक रूप से पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। हावर्ड गार्डनर के मल्टीपल इंटेलीजेंस सिद्धांत के प्रस्तावक प्रोफेसर्स ने पाया है कि मस्तिष्क प्रणाली में मल्टीप्ल इंटेलिजेंस मौजूद है और आगे मस्तिष्क से संरचनाओं की पहचान करते हैं, जो खुशियां क्षेत्र के प्रभारी हैं । इसलिए जितनी जल्दी बच्चा डर्मेटोग्लिफिक्स की स्थिति को समझ लेता है उतनी जल्दी हम बच्चे के बहु बुद्धि विकास को प्रेरित कर पाते हैं।

बुद्धि के प्रकार

मल्टीपल इंटेलिजेंस सिद्धांत की अवधारणा ।

शिक्षा की दुनिया में एक शक्तिशाली ताकत बनने की शुरुआत 1983 में हुई ,जब हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हावर्ड गार्डनर ने अपनी पुस्तक 'फ्रेम्स ऑफ माइंड: द थ्योरी ऑफ मल्टीपल इंटेलीजेंस': को कुछ सरल लेकिन शक्तिशाली सवालों के साथ शुरू किया: क्या प्रतिभाशाली शतरंज खिलाड़ी, वायलिन बादक, और एथलीट हैं जो अपने-अपने विषयों में बुद्धिमान है पर क्या एक दूसरे के विषयों में भी बुद्धिमान हो सकते हैं । बुद्धिमत्ता शब्द मानवीय प्रयासों से इतनी सीमित दायरे तक ही सीमित क्यों है?

इन सवालों से बहु-बुद्धिमत्ता डीएमआईटी सिद्धांत सामने आया । सीधे शब्दों में कहे तो यह मनोविज्ञान की बुद्धिमत्ता की परिभाषा को एक सामान्य क्षमता के रूप में चुनौती देता है, जिसे एकल आईक्यू स्कोर द्वारा मापा जा सकता है। इसके बजाय मल्टीपल इंटेलिजेंस सिद्धांत आठ बुद्धिमत्ताओं का वर्णन करता है जिनका उपयोग लोग समस्याओं को हल करने और उन समाजों के लिए प्रासंगिक उत्पाद बनाने के लिए करते हैं ,जिनमें वे रहते हैं । मल्टीपल इंटेलिजेंस सिद्धांत का दावा है कि जिन व्यक्तियों की एक बुद्धि में उच्च स्तर की योग्यता होती है जरूरी नहीं कि उनकी दूसरी बुद्धि में भी वही सामान योग्यता हो। उदाहरण के लिए एक युवा व्यक्ति जो संगीत संबंधी बुद्धिमत्ता के प्रभावशाली स्तर का प्रदर्शन करता है, वह शारीरिक- गतिज या तार्किक- गणितीय बुद्धि के मामले में बहुत कम कुशल हो सकता है। शायद यह स्पष्ट प्रतीत होता है, लेकिन यह पहचाना महत्वपूर्ण है कि यह धारणा एक सामान्य क्षमता के रूप में बुद्धिमत्ता के पारंपरिक दृष्टिकोण के बिल्कुल विपरीत है ,जिसे एक ही पैमाने पर मापा जा सकता है और एक ही संख्या द्वारा संक्षिप्त किया जा सकता है ।

बुद्धि के आठ प्रकार

1- मौखिक - भाषाई बुद्धिमत्ता (VERBAL-LINGUISTIC)

मौखिक-भाषाई बुद्धि वाले लोग शब्दों और भाषाओं के साथ एक सुविधा प्रदर्शित करते हैं । वे आमतौर पर पढ़ने-लिखने,कहानी सुनाने और तरीखों के साथ-साथ शब्दों को याद रखने में अच्छे होते हैं। वह पढ़ने, नोट्स लेने, व्याख्यान सुनने और चर्चा तथा बहस में सबसे अच्छा सीखते हैं। वह अक्सर समझने, पढ़ने और भाषण देने या प्रेरक बोलने में भी कुशल होते हैं। मौखिक-भाषाई बुद्धि वाले लोग विदेशी भाषाएं बहुत व आसानी से सीखते हैं ,क्योंकि उनके पास उच्च मौखिक स्मृति और याददाश्त होती है और वाक्य रचना और संरचना को समझने और हेर-फेर करने की क्षमता होती है ।

2- तार्किक- गणितीय बुद्धि

(LOGICAL- MATHEMATICAL)

तार्किक गणितीय बुद्धि क्षेत्र तर्क, अमूर्तता,तर्क और संख्याओं से संबंधित है ।हालांकि यह अक्सर माना जाता है कि इस बुद्धि वाले लोग स्वाभाविक रूप से गणित, शतरंज, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और अन्य तार्किक या संख्यात्मक गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं ,यह अधिक सटीक परिभाषा , पारंपरिक गणितीय क्षमता और अधिक तर्क क्षमताओं, मान्यता के अमूर्त पैटर्न , वैज्ञानिक सोच और जांच पर जोर देते है और इनमें जटिल गणना करने की क्षमता होती है ।

3- दृश्य-स्थानिक बुद्धि
(VISUL-SAPTIAL)

- मजबूत दृश्य-स्थानिक बुद्धि वाले लोग आमतौर पर वस्तुओं की कल्पना करने और मानसिक रूप से हेर-फेर करने में बहुत अच्छे होते हैं । मजबूत स्थानिक बुद्धि वाले लोग अक्सर पहेलियां बुझाने में कुशल होते हैं, उनके पास एक मजबूत दृश्य स्मृति होती है और अक्सर कलात्मक रूप से इच्छुक होते हैं

दृश्य-स्थानिक बुद्धि वाले लोगों को आमतौर पर दिशा की बहुत अच्छी समझ होती है और उनके हाथ-आंख का समन्वय भी बहुत अच्छा होता है ।चीजों की कल्पना करके उन्हें अस्तित्व में लाने सम्बन्धी क्षमता ऐसे लोगों में बहुत गहरी होती है ।

4- शारीरिक - गतिज बुद्धि

(BODLY-KINESTHETIC)

जिन लोगों के पास शारीरिक-गतिज बुद्धि होती है वह आमतौर पर अभिनय या प्रदर्शन में कुशल होते हैं और उसका आनंद लेते हैं । सामान्य तौर पर भी चीज बनाने और अच्छी बनाने में अच्छे होते हैं। वह अक्सर किसी चीज के बारे में पढ़ने या सुनने के बजाय उसे शारीरिक रूप से करके सबसे अच्छा सीखने की कोशिश करते हैं । तेज शारीरिक-गतिज बुद्धि वाले लोग मांसपेशियों की स्मृति कहलाने वाली चीज का उपयोग करते प्रतीत होते हैं ।वह चीजों को अपने शरीर के माध्यम से याद रखते हैं जैसे मौखिक स्मृति या चित्र। उन्हें बेहतरीन ऐसे मोटर कौशल की आवश्यकता होती है जो नृत्य, एथलेटिक्स ,सर्जरी शिल्प और अन्य ऐसे ही कार्यों के लिए आवश्यक होते है।

5- संगीत-लयबद्ध बुद्धि
(MUSICAl. RAYTHMIC)

जिनके पास उच्च स्तर की संगीत-लयबद्ध बुध्दि है वह ध्वनि,लय, स्वर और संगीत के प्रति अधिक संवेदनशील प्रदर्शित होते हैं।उनका रुझान इन सब चीजों पर होता है । उनके पास आमतौर पर अच्छी पिच होती है और यहां तक की इस विषय की पूर्ण पिच भी हो सकती है । वह गाने,संगीत, वाद्य यंत्र बजाने और संगीत रचना करने में सक्षम होते हैं। क्योंकि इस बुद्धि में एक मजबूत श्रवण घटक है ,जो लोग इसमें सबसे मजबूत हैं भी व व्याख्यान के माध्यम से सबसे अच्छा सीख सकते हैं। इस बुद्धि के लोग इसके अलावा जानकारी सीखने और याद रखने के लिए अक्सर गाने या लय का उपयोग करते हैं और पृष्ठभूमि में बजने वाले संगीत के साथ सबसे अच्छा काम करते हैं ।

6- पारस्परिक-सामाजिक बुद्धि (INTERPERSONAL)

पारस्परिक-सामाजिक बुद्धि श्रेणी के लोग आमतौर पर बहिर्मुखी होते हैं और दूसरों की मनोदशाओं, भावनाओं, स्वभाव और प्रेरणाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता होती है ।ऐसे लोगों की एक समूह के हिस्से के रूप में काम करन की व सहयोग करने की उनकी क्षमता व विशेषता होती है। वह प्रभावी ढंग से संवाद करते हैं और दूसरों के साथ आसानी से सहानुभूति रखते हैं ,यह नेता या नेता के अनुयाई हो सकते हैं। वह आमतौर पर दूसरों के साथ काम करके सबसे अच्छा सीखते हैं और अक्सर चर्चा और बहस का आनंद लेते हैं ।

7- अंतर्वैयत्तिक बुद्धि (INTRAPERSONAL)

जो लोग इस प्रकार की बुद्धि के होते हैं वह आम तौर पर अत्यधिक जागरूक होते हैं और अपनी भावनाओं,लक्ष्यों और प्रेरणाओं को समझने में सक्षम होते है। वे जब विषय पर ध्यान केंद्रित करके सबसे अच्छा सीखते है ,ऐसा करने की उंन्हे आदत होती है ।इस बुद्धिमत्ता के साथ अक्सर उच्च स्तर का पूर्णतावाद जुड़ा होता है

8- प्रकृतिवादी-भौतिकता बुद्धि (NATURALIST)

जिन लोगों में प्रकृतिवादी-भौतिकता बुद्धि होती है उनमें प्रकृति और उससे जुड़ी चीजों व स्थान के प्रति अधिक संवेदनशीलता होती है। इनमें चीजों का पोषण और विकास करने की क्षमता होती है और जानवरों की देखभाल करने व उन्हें बस में करने और उनके साथ बातचीत करने में अधिक आसानी होती है । ऐसे लोग मौसम में बदलाव या अपने प्रकृति परिवेश में किसी भी तरह के उतार-चढ़ाव को समझने में भी सक्षम होते हैं। इनमें विभिन्न प्रजातियों को पहचानने और वर्गीकृत करने की भी अच्छी समझ होती है । प्रकृतिवादी लोग तब सबसे अच्छा सीखते हैं जब उनके विषय में संग्रह और विश्लेषण शामिल होता है व प्रकृति के किसी प्रमुख चीज से निकटता से जुड़ा होता है । प्रकृति शिक्षार्थी बाहर रहकर या गतिज तरीके से अधिक सीखते हैं ।भौतिक चीजों को प्रकृति से जोड़कर उसका आंकलन करने की इनमें क्षमता होती है ।

माता- पिता को समझना होगा

डीएमआईटी ,माता-पिता को अपने बच्चों के लिए सही निर्णय लेने में मदद करने का सबसे अच्छा व वैज्ञानिक तरीका है ।

अपने बच्चों को, उनकी प्रतिभा और रुचि की परवाह किए बिना कई तरह की कक्षाओं में भेजना एक अच्छा व समझदारी वाला तरीका नहीं है ।

यह एक उच्च लागत वाली व्यवस्था व बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उसके बाद भी इस निर्णय या कदम से माता-पिता कोई ठोस समाधान नहीं मिलता ।

बच्चों में प्रतिभा कुछ हो और सिखाया पढ़ाया कुछ और जाए तो बच्चे यह आत्मसात नहीं कर पाते और परिणाम अनुकूल नहीं आते ।

आज ही अपने बच्चों की क्षमताओं और प्रतिभाओं को जानिए जिससे वह चुन सके अपनी प्रतिभा वाला क्षेत्र और जीवन में चढ़े सफलता की सीढ़ी

Dmit किस-किस में लिये

छोटे बच्चे (उम्र 1 से 4 वर्ष) जन्म से लेकर लगभग 3 साल की उम्र तक मस्तिक्स में बड़ी संख्या में कनेक्सन और संग्रह दर्ज होते रहते हैं । इस उम्र में बच्चे की क्षमताओं को जानने से माता-पिता को पालन-पोषण की शैली और शैक्षणिक तरीकों पर निर्णय लेने में मदद मिलती है ।

बड़े बच्चे उम्र(4 से 12 वर्ष) तीन से बारह साल की उम्र तक मस्तिक्स व्यवस्थित होने और जो चीजें आवश्यक नहीं है उसे हटाने और दूर करने या खत्म करने के प्रयास में अत्यधिक सिनेप्ट को काटना शुरू कर देता है । इस उम्र में बच्चे सीखने के लिए उत्सुक होते हैं और बड़े होने पर वे अपनी क्षमता से अधिक सीखने में सक्षम होते हैं। इस उम्र में उनकी सीखने की शैली और बुद्धिमत्ता के क्षेत्रों की खोज करने से यह पता चलता है कि उन्हें किन पाठ्यक्रमों और गतिविधियों पर अधिक समय देना चाहिए ।

किशोर एवं युवा व्यस्क (उम्र 12से 25 वर्ष) किशोरावस्था में अधिक आक्रामकता रहती है और आंतरिक द्वंद रहता है ।क्यों कि मस्तिक्स विशेषज्ञता हासिल करना और पहचान बनाना शुरू कर देता है इस उम्र में सीखने की शैलियों की खोज करने से किसी के सीखने के अनुभव को बेहतर ढंग से बढाया जा सकता है।यह एक दिशानिर्देश के रूप में भी कार्य करता है किस को किस प्रकार के पाठ्यक्रम लेने चाहिए और किस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहिये।

व्यस्क(उम्र 25 वर्ष) वयस्कता एक छोटे से पठार की शुरुवात करती है,जहां कुछ कनेक्सन कम हो जाते हैं तो कुछ कनेक्सन बढ़ जाते हैं । किसी की बुद्धिमत्ता के क्षेत्रों को समझने से एक वयस्क को कैरियर पर निर्णय लेने में मदद मिलती है और इस प्रकार एक वेहतर भविष्य बन सकता है । कई कम्पनियां और प्लेसमेंट एजेंसियां अपने यहां डीएमआईटी विश्लेषण लागू करती है ,जिससे किसी क्षेत्र विशेष के लिए उसी क्षेत्र के क्षमतावान व्यक्ति को नियुक्त किया जा सके ।

आज की इस नंबरों की परसेंटेज की अंधी दौड़ में यदि आपके बच्चे को बेहतर परफॉर्म करना है तो उसे अपनी क्षमता का सही विषय में प्रयोग करना होगा

जरा सोचिए

यदि लता मंगेशकर को गाने के स्थान पर डांस सीखने को कहा जाता।
यदि सचिन तेंदुलकर क्रिकेट न खेलकर इंजीनियर की पढ़ाई कर रहे होते।
थॉमस एडिसन को विज्ञान की जगह क्रिकेट का बल्ला पकड़ा दिया जाता।
अमिताभ बच्चन अभिनय की जगह कृषि विज्ञान के क्षेत्र में होते हैं ।

तो आज इन लोगों को वह मुकाम नहीं होता जो आज इनका है । इसी तरह से बहुत से उदाहरण है दुनिया में।

आने वाले समय में एक उदाहरण आपका बच्चा भी बन सकता है। प्रतिभा की परिभाषा प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग प्रकार से होती है।

डीएमआईटी से आज ही अपने बच्चों की सबसे अच्छी सीखने की शैली को पहचाने और उसे दें आत्मविश्वास से भरा हुआ कैरियर और पूरा करें उसे सपने को जो देखा था आपने अपने बच्चों को लेकर ।

भारत में लगभग 12000 छात्र परीक्षा संबंधित तनाव के कारण आत्महत्या कर लेते हैं। आखिर क्यों ?

उन बच्चों के मां-बाप भी तो आखिर उन्हें पढ़ना ही चाहते थे।

बात को समझिए-फिर सोचिए।

बचपन अब बच्चों का खेल नहीं

शायद आप नहीं जानते की बहुत छोटे बच्चे भी तनाव का शिकार हो सकते हैं।

आपका बच्चा किस तरह से सीखता है, देखकर ,कर कर या सुनकर ?

आपका बच्चा किस चीज में कुशल है, काम की योजना बनाने में या काम करने में ?

आपका बच्चा तार्किक है या रचनात्मक ?

क्या आपके बच्चे में कोई ऐसी विशेष प्रतिभा है जो आप नहीं जानते?

क्या आप वास्तविक रूप से रुचि और प्रतिभा में अंतर समझते हैं ?

क्या आप अपने बच्चों की सभी बुद्धिमत्ताओं में से सबसे ज्यादा प्रभावशाली बुद्धिमत्ता के बारे में जानते हैं ?

कभी अपने जानना चाहा है कि एक जैसी उम्र,एक जैसी क्लास, एक ही टीचर, एक किताब,पढ़ने का तरीका भी एक समान, फिर भी सभी बच्चों में अलग-अलग परिणाम। कुछ बच्चे अच्छे कुछ मध्य तो कुछ कमजोर । डीएमआईटी की मदद से आज ही अपने बच्चों की जन्मजात प्रभाव के बारे में जाने।

Thank You

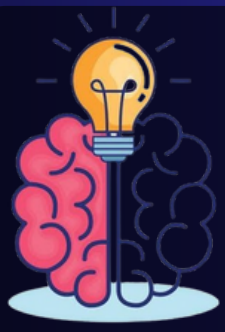

Smart Mind Educate

D M I T

Location

HEAD OFFICE -
P-9 , 2nd floor, pandav nagar, mayur vihar phase 1 , delhi ,110091

Email -smartmindedutech@gmail.com

Website- smartmindedutech.com

Helpline - 9839547108, 9452607362